PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

संविधान दिवस

विशेषांक

वर्ष : 1, अंक : 2

26 नवंबर, 2019

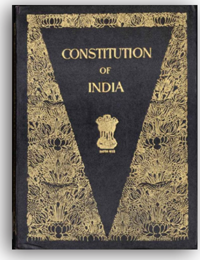

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान और सामाजिक दस्तावेज है। सत्तर साल पहले 26 नवंबर, 1949 को इस संविधान को स्वीकार किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संविधान में गहरी आस्था है। उन्होंने पहली बार 2015 में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने की ऐतिहासिक घोषणा की, ताकि देश के लोग संविधान के महत्व और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान से परिचित हो सकें। साथ ही समीक्षा कर सकें कि हम संविधान के उद्देश्यों को कहां तक पूरा करने में सफल रहे हैं। संविधान का मुख्य उद्देश्य था एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना जिसमें सभी को न्याय, स्वतंत्रता, समान अवसर और गरिमा सुनिश्चित हो और देश की एकता और अखंडता बनी रहे। निसंदेह आज मोदी सरकार संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रही है । पिछले पांच सालों में मोदी सरकार ने संविधान प्रदत्त कई ऐतिहासक फैसले लिए जिसके बारे में पूर्व की सरकारों ने सोचने तक का साहस नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस ने ही देश में एक विधान, एक निशान और एक प्रधान को वास्तविक रूप में साकार किया है। संविधान में वर्णित राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के आधार पर मोदी सरकार ने सामाजिक कल्याण की दिशा में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इससे मोदी सरकार पर देश की जनता का भरोसा तो बढ़ा ही है, साथ ही अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। अब मोदी सरकार संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप जन आकांक्षाओं को पूरा करने में लगी हुई है।

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

संविधान दिवस बना राष्ट्रीय उत्सव

भले ही 26 नवंबर, 1949 को देश ने संविधान को अपनाया, लेकिन 2015 से पहले तक यह जन सामान्य के लिए कभी सर्व सुलभ नहीं बन पाया। नरेन्द्र मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने 2015 में संविधान की शक्ति और उसके महत्व से जन-जन को परिचित कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संविधान दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया। 1 दिसंबर, 2015 को राज्यसभा में संविधान पर विशेष चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि संविधान की हर भावना के प्रति हमारा आदर-सत्कार पीढ़ियों तक चलते रहना चाहिए।

"यह दिन उन सभी महान महिलाओं और पुरुषों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण के लिए अथक प्रयास किया।"

"सरकार का एक ही धर्म है इंडिया फर्स्ट, सरकार का एक ही धर्मग्रंथ है भारत का संविधान।"

"भारत में सिर्फ संविधान ही सर्वोच्च है। यही विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को उनकी शक्तियां देता है। इस बात को बार-बार उजागर किया जाना चाहिए।"

संविधान के प्रति जागरूक बनाने का प्रयास

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

पहले संविधान दिवस से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रयास रहा है कि जनता के मन में संविधान के आदर्शों के प्रति जागरूकता पैदा हो। इसके लिए समय-समय पर कदम उठाए गए हैं-

- 24 नवबंर, 2019 को 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने संविधान के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर संसद में विशेष आयोजन की चर्चा की और डॉ. अंबेडकर को याद किया।
- 25 मई, 2019 को एनडीए संसदीय दल की बैठक को संबोधित करने से पहले पीएम मोदी ने संविधान पर मत्था टेक कर नमन किया।
- 26 नवंबर, 2015 से सभी सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में संविधान की प्रस्तावना का पाठ और शपथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई।
- संविधान दिवस पर केंद्र से जिला स्तर तक भाषण प्रतियोगिता, मौलिक कर्तव्यों पर व्याख्यान और फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया जाता है।

"व्यापक रूप से सेमिनार हो, चर्चा हो, प्रतिस्पर्धा हो। हर पीढ़ी के लोग संविधान के संबंध में सोचे, समझे, चर्चा करें। एक निरंतर मंथन चलता रहना चाहिए।"

मोदी राज में डॉ. अंबेडकर को मिला सम्मान

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अप्रैल, 2018 को दिल्ली में डॉ. भीमराव अंबेडकर की याद में एक राष्ट्रीय स्मारक समर्पित किया।
- मध्य प्रदेश के महू में बाबा साहब की जन्म स्थली में बने स्मारक में श्रद्धांजलि देने वाले नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री बने।
- पीएम मोदी ने लंदन में डॉ. अंबेडकर को समर्पित एक स्मारक का उद्घाटन किया। डॉ. अंबेडकर इसी इमारत में रहा करते थे।
- पीएम मोदी ने नोटबंदी के बाद देश बदलने की जो शुरुआत भीम एप से की, उसे भी बाबा साहेब के नाम पर ही समर्पित किया।
- पीएम मोदी ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े स्थलों को 'पंच तीर्थ' के रूप में भी विकसित करने का ऐलान किया।
- पीएम मोदी ने डॉ. अंबेडकर की 125वीं जयन्ती वर्ष के अवसर पर 125 रुपए और 10 रुपए के स्मारक सिक्के जारी किए।

"हम भारत के जिस संविधान पर गौरव का अनुभव करते हैं, उसके निर्माण में बाबा साहेब अंबेडकर के कुशल नेतृत्व की अमिट छाप है। उन्होंने ये सुनिश्चित किया कि समाज का हर तबके का कल्याण हो। देश को समृद्ध और शक्तिशाली बनाने में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय है।"

"संविधान सभा के बारे में बात करते हुए उस महापुरुष का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता, जो संविधान सभा के केंद्र में रहे। ये महापुरुष थे पूजनीय डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर।"

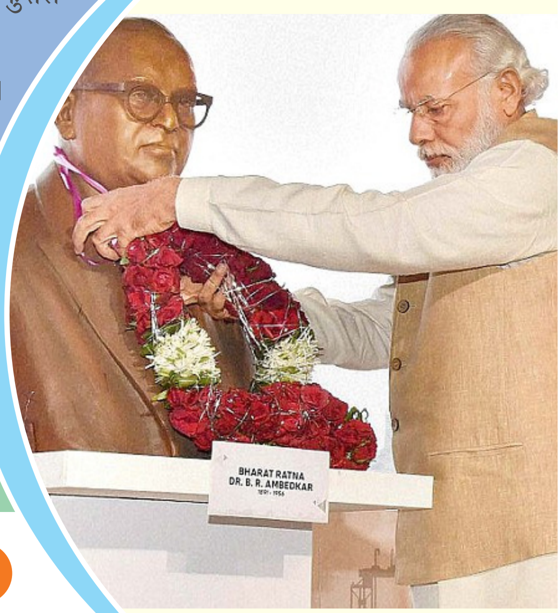

एक देश, एक निशान और एक संविधान

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

- जो काम पिछले 70 साल में नहीं हुआ, मोदी सरकार-2 ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35A को हटाकर उसे कर दिया।
- मोदी सरकार ने एक देश, एक निशान और एक संविधान का सपना साकार कर दिया है।
- मोदी सरकार ने जीएसटी के माध्यम से One Nation, One Tax के सपने को साकार किया है।
- देश में One Nation, One Mobility Card तक की व्यवस्था को भी विकसित किया गया है।
- मोदी सरकार ने नगालैंड के लिए अलग संविधान और अलग झंडे की मांग को खारिज कर दिया।
- मोदी सरकार सरदार पटेल के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के सपने को पूरा करने में लगी हुई है।

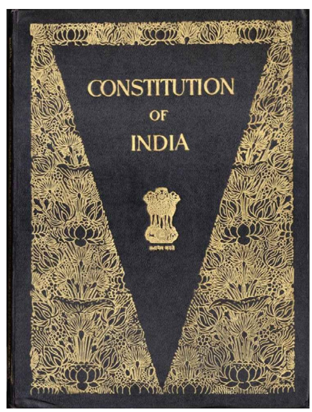

"संविधान एक भावना है, जो हमें जोड़ने की ताकत देती है ।"

संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने में सफलता

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

सामाजिक न्याय

- मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति मिली।
- एससी/एसटी कानून को मजबूत किया गया।
- मोदी राज में महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ।

आर्थिक न्याय

- आर्थिक रूप से पिछड़े गरीब सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण
- गरीबों के लिए 1.78 करोड़ से अधिक आवासों का निर्माण
- 2022 तक देश के हर गरीब को घर देने का संकल्प
- पिछले पांच सालों में 5 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से मुक्त
- UN ने भी माना कि भारत में तेजी से कम हो रही है गरीबी

राजनीतिक न्याय

- जनता के लिए संसद का पूर्ण इस्तेमाल किया गया।
- वर्तमान लोकसभा की उत्पादकता रिकॉर्ड 130 प्रतिशत पर पहुंची।
- तीस सालों में पूर्ण बहुमत की गैर-कांग्रेसी सरकार बनीं।
- जनता को शक्ति देने लिए 'टीम इंडिया' की अवधारणा स्थापित की।
- पंचायत से संसद तक जन भागीदारी को बढ़ावा दिया।
- जनता के राजनीतिक अधिकार सुनिश्चित हुए।

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

सबका साथ, सबका विकास

- सभी को विकास के समान अवसर उपलब्ध
- रोजगार के करोड़ों मौके पैदा हुए
- योजनाओं के केंद्र में 130 करोड़ देशवासी
- कौशल विकास, मुद्रा लोन और स्टार्टअप से युवाओं को लाभ

जीवन को बेहतर करने के उपाय

आयुष्मान भारत योजना, जन धन योजना, पीएम-किसान सम्मान निधि, पीएम श्रमयोगी मान-धन योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम फसल बीमा योजना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि, उज्ज्वला योजना, आवास योजना, उजाला योजना, जल-जीवन मिशन

गरिमा और सम्मान में हुई वृद्धि

विश्व योग दिवस, गांधी दर्शन का विश्व में प्रचार, विदेशों में लोगों से संवाद, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मजबूती, आर्थिक ताकत के रूप में उदय, कई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार, वैश्विक संगठनों में भागीदारी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दबदबा, सर्जिकल स्ट्राइक

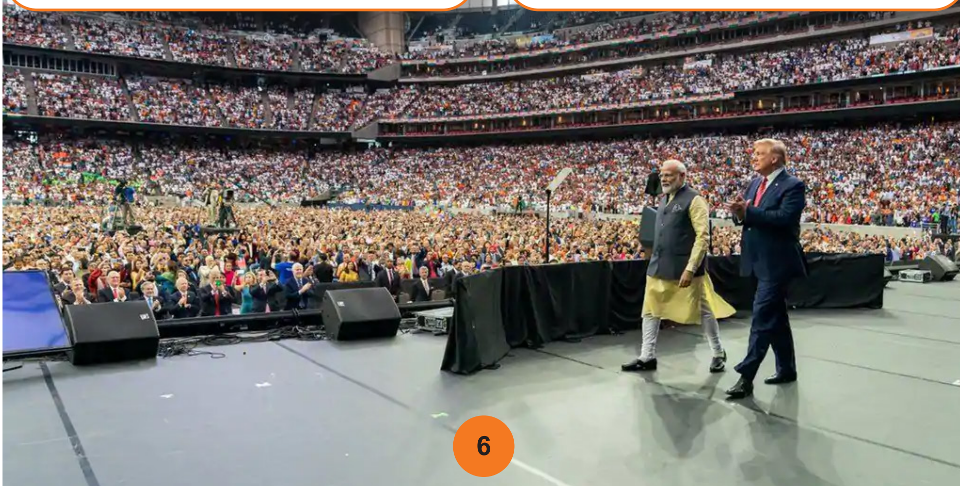

बेकार कानूनों से आजादी

- 15 अगस्त, 2019 को पीएम मोदी ने लाल किले से बेकार कानूनों के खत्म होने का ऐलान किया।
- जीवन को बेहतर बनाने के लिए पिछले पांच सालों में करीब 1450 कानून खत्म किए गए।
- मोदी सरकार ने पिछले 5 वर्ष में प्रतिदिन एक बेकार कानून को खत्म किया।
- 30 जनवरी, 2016 तक 1827 कानूनों को खत्म करने के लिए पहचान की गई थी।
- 2014 से पहले 64 साल में 1,301 कानूनों को ही खत्म किया गया।

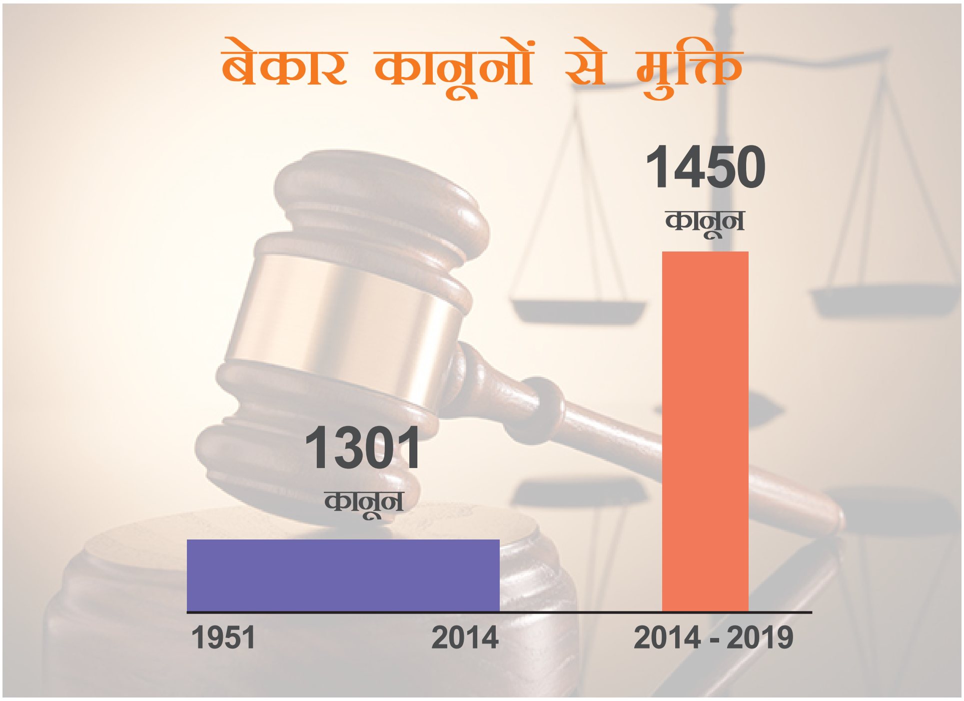

मौलिक कर्तव्यों के महत्व को स्थापित करने का सफल प्रयास

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने व्यवहार और संदेशों से संस्थाओं, राष्ट्रीय झंडे और राष्ट्र गान के प्रति नवचेतना पैदा की।
- 2014 में पीएम मोदी पहली बार संसद पहुंचे, तो उसकी सीढ़ियों पर माथा टेक कर लोकतंत्र के मंदिर के प्रति सम्मान जताया।
- नमामि गंगे, स्वच्छ भारत मिशन और एकल इस्तेमाल वाले प्लास्टिक से मुक्ति के अभियान से पर्यावरण को सुरक्षित किया।
- पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आचरण से जन जन तक पहुंचाया।
- जल प्रबंधन और संरक्षण के लिए देश में पहली बार जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना प्रधानमंत्री मोदी ने 31 मई, 2019 को की।
- पानी बचाने और पानी के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए 'जल-जीवन मिशन' की शुरूआत हुई।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए UN ने पीएम मोदी को 'चौंपियंस ऑफ अर्थ' से सम्मानित किया।
- देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, धार्मिक व प्राकृतिक विरासत को संजोने और संवर्धन का काम किया।
- समरसता और भाईचारे के लिए 'सबका साथ,सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र को अपने शासन का आधार बनाया।
- एकता और अखंडता के दुश्मन आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई।
- देश को आधुनिक तकनीक से सक्षम बनाने के लिए पीएम मोदी ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया।
- रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के माध्यम से पीएम मोदी ने सभ्यता, संस्कृति और भाषा के संरक्षण के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया।

आवश्यकता पूर्ति से आकांक्षा पूर्ति की दिशा में बढ़ते कदम

- 2014 से 2019 आवश्यकताओं की पूर्ति का दौर था। जनता की रोजमर्रा की जिदंगी की जरूरतों को पूरा करने पर जोर दिया गया।
- 2019 के बाद का कालखंड देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति और उनके सपनों को साकार करने का कालखंड है।
- मोदी राज में देशवासियों का मिजाज बदल चुका है। निराशा, आशा में बदल चुकी है, सपने, संकल्पों से जुड़ चुके हैं।
- अब मोदी सरकार की मंजिल Ease of living है, ताकि आम लोगों को उनका हक सहज रूप से मिले।
- पीएम मोदी ने बदलते हुए वक्त के साथ संविधान के महत्व को समझने और आकांक्षा पूर्ति की दिशा में कदम बढ़ाने पर जोर दिया है।

भारत का संविधान

प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा, उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए,

दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"